3.गाय को प्रसव के बाद निकलने वाली गंदगी या जेर खाने ना दें।

4. प्रसव के बाद गाय और आसपास की जगह को अच्छे से साफ करें, वरना संक्रमण का खतरा रहता है।

5. गुड़ के साथ मिश्रित सिक्त चोकर मैश गाय को खिलाए।

6.ध्यान रखें कि क्या गाय प्रसव के 5–6 घंटे के भीतर जेर (प्लेसेंटा) गिराती है, देरी होने पर तुरंत इलाज कराएं।

7. प्रसव के बाद गाय का दूध निकालें, मगर पूरा दूध न निकालें।

8. थन की सूजन कम होने तक दिन में तीन बार गाय कादूध निकालें।

9. गाय को नर्म, रेचक, स्वादिष्ट और पौष्टिक आहार प्रदान करें।

10. पर्याप्त खनिज खासतौर पे कैल्शियम और फास्फोरस प्रदान करें।

बछड़े कोजन्मदेतीहुईगाय

आलेख एवं प्रस्तुतिकरण:- भावना, राजेश कुमार एवं अर्चना कुमारी
सहायक प्राध्यापक, पैथोलॉजी विभाग, बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय

विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
प्रसार शिक्षा निदेशालय
बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय परिसर पटना-14
Email: deebasupatna@gmail.com (Official), dee-basu-bih@gov.in
Mob.: +91 94306 02962,+91 80847 79374

RE: 8051910781/ March 2022

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय
BIHAR ANIMAL SCIENCES UNIVERSITY

प्रसार पुस्तिका संख्या:- DEE/2022-40

प्रसवोत्तर गाय की देखभाल एवं प्रबंधन

प्रसार शिक्षा निदेशालय
बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय,पटना-14

प्रसवोत्तर गाय की देखभाल एवं प्रबंधन

एक किफायती एवं सफल डेयरी फार्मिंग को चलाने के लिए बहुत से कारकों का ध्यान रखना होता है। ऐसा ही एक कारक है: प्रसव के पहले, प्रसव के दौरान और बाद में गाय की देखभाल। जितनी ज्यादा अच्छी देखभाल की जाएगी।

1–उतनी ही डेयरी फार्मिंग की लाभ प्रदता को सुनिश्चित किया जा सकता है।

2–साथ ही प्रसव के बाद गाय की प्रजनन शक्ति जल्दी वापिस हासिल हो सकती है।

3–अच्छी खुराक और प्रबंधन प्रदान करने से गाय का स्वास्थ्य एवं दूध उत्पादन अच्छा होता है।

4–बछड़े का अधिकांश विकास गर्भ के अंतिम दो महीनों के दौरान होता है, इसीलिए जितना अच्छा माँ का स्वास्थ्य रहेगा, उतना ही सेहतमंद बछड़ा पैदा होगा।

एक डेयरी फार्म तभी अच्छा चल सकता है जब उसकी गायों का प्रजनन और दूध का उत्पादन बढ़िया हो और यह दोनों ही अच्छी खुराक या पोषण और स्वास्थ्य देखभाल पर निर्भर है। गाय का अच्छा प्रबंधन, कोलेस्ट्रम (शुरू के कुछ दिनों का गाड़ा दूध) की गुणवत्ता और बछड़े के स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है।

गाय की देखभाल:–

प्रसव के पहले:–निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है:–

1–पर्याप्त खनिजों और विटामिनों से भरपूर संतुलित भोजन देना जो कि प्रसव के आसपास स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने के लिए जरूरी है। साथ ही गाय की बीमारियों से लड़ने की शक्ति का सुधार होता है, संतुलित आहार प्रसव से पहले और बाद में थनैला जैसी बिमारियों को भी होने से बचाती है।

2–गाय को प्रसव से पहले एक साफ सुथरे आरामदायक कमरें में रखना चाहिए।

3–गाय को मिल्क फीवर/दूध के बुखार से बचाना भी अतिआवश्यक है। मिल्क फीवर अधिकतर ज्यादा दूध देनेवाली गायों में या पहली बार बच्चा देनेवाली बछड़ियों में देखा जाता है। इससे बचाव के लिए प्रसव से पहले गाय को सभी खनिज खासतौर पे कैल्शियम देना आवश्यक है।

4–दुधारू गायों में प्रसव से 45 से 60 दिनों का ड्राई पीरियड (शुष्क अवधि) देना जो कि सामान्य भ्रूण विकास, उतम दूध उत्पादन एवं अच्छे थन स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

5–प्रसव के प्राथमिक लक्षणों जैसे कि उदर वृद्धि (थन को बढ़ाना) और चमक दार होना, यौनी से गाढ़ा बलगम स्त्राव, गाय का बेचैन होना, पुट्ठा छूटना (Sacro-schiatic बंधनका छूटना) आदि का ध्यान रखना आवश्यक है, जिससे कि बच्चा देने वाली गाय की पहचान कर, उसे बाकी गायों से अलग किया जा सकें।

प्रसव के दौरान:–निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए :–

गाय के लिए आरामदायकबैठनेकाप्रबंधन

1. गाय में प्रसव पीड़ा के दौरान बेचैनी होती है अतः गाय को दूर से देखें मगर पास जाकर छेड़े नहीं और उसे परेशान ना करें।

2. एक गाय बछड़े को जन्म देने में 2–3 घंटे समय लेती है, जबकि एक बछड़ी (पहली बार बच्चा देने वाली) 4–5 घंटे का समय ले सकती है।

3. अगर जन्म में ज्यादा समय लगता है या विलंब होता है तो डॉक्टरी सहायता प्रदान करनी आवश्यक है।

4. अगर बछड़ा जन्म के दौरान फस जाता है, उल्टा है या उसकी टाँग, गर्दन आदि मुड़ी है तो हाथ डाल के सीधा करना आवश्यक है।

5. बछड़ा खींचने के लिए बहुत ज्यादा जोर नहीं लगाना चाहिए, पशु चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए।

प्रसव के बाद:–निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है:–

1. गाय को पीने के लिए साफ व गुनगुना पानी दें।

2. अत्यधिक ठंड या गर्मी दोनों से ही बचाव करें अथवा किसी भी पर्यावरणीय तनाव से सुरक्षा करें।